चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 25 मई 2026, अंक –288.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

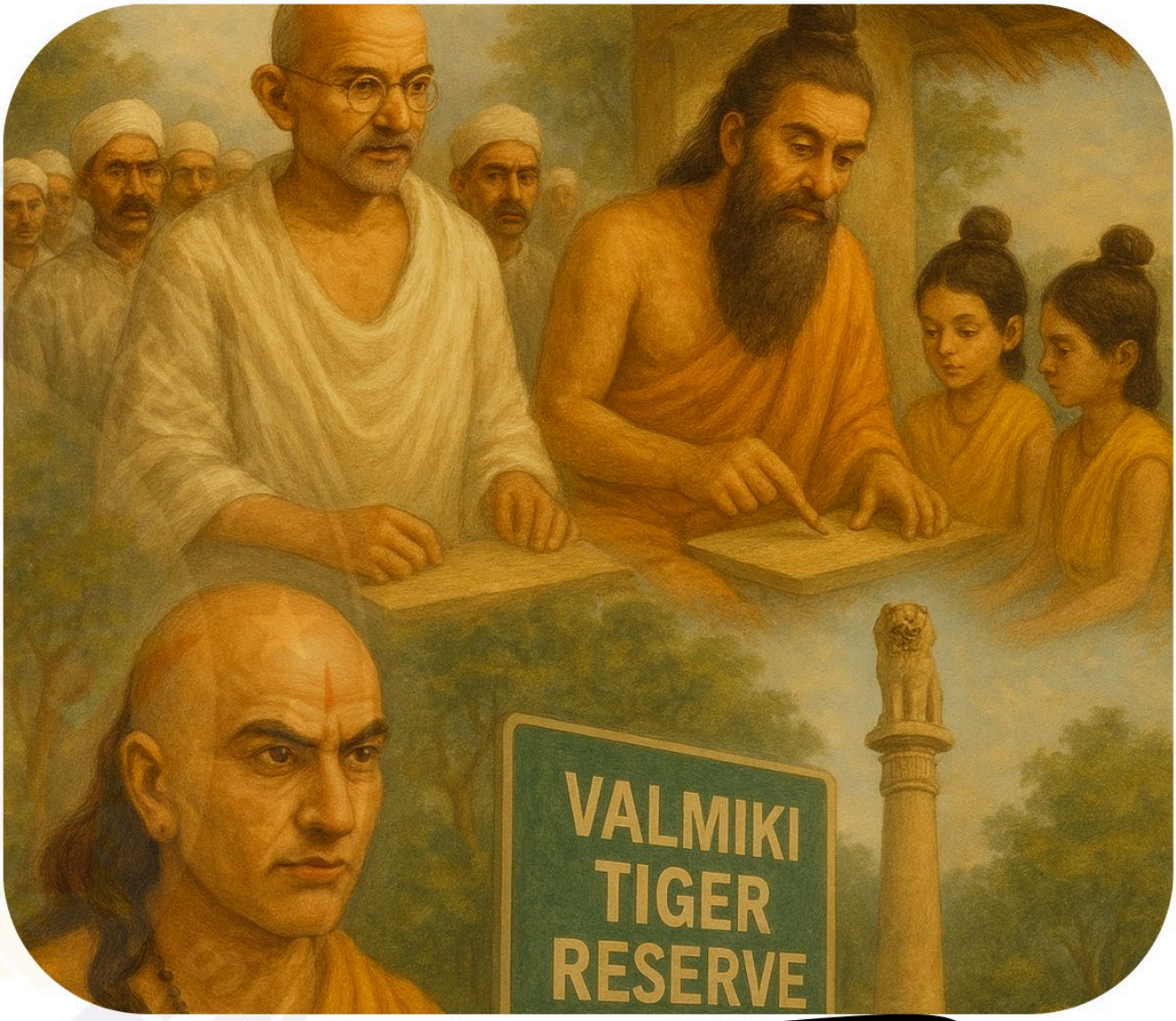

"उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।"
(कार्य उद्यम से सिद्ध होते हैं, केवल इच्छा से नहीं।)

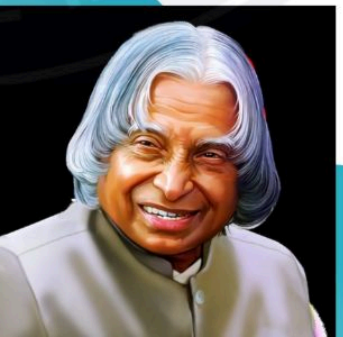

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Monday Prayer

सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।

सदा हमारे सिर पर तेरा हाथ रहे,
हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे,
हां, हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे;
खुशियों का हो जीवन में आयाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मिलकर इस धरती को चमन बनाएं हम,
गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम।
हां, गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम;
यही हमारा हो हरदम पैगाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मात-पिता की सेवा और सम्मान करें,
उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
हां, उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
अच्छे कर्म का अच्छा परिणाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

शुद्ध भाव से तेरा ध्यान लगाएं हम,
विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
हाँ, विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
तुम्ही से है आगाज़ तुम्हीं से अंजाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

गुरुओं का सत्कार कभी न भूले हम,
इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
हाँ, इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
तुम्हीं से है हर सुबह तुम्ही से शाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

अनुभाग-2

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. ब्राज़ील की मुद्रा क्या कहलाती है?
उत्तर: रियाल
प्रश्न 2. भारत का राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' किसने लिखा था?
उत्तर: बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय
प्रश्न 3. 'बोहाग बिहू' मुख्यतः किस अवसर पर मनाया जाता है?
उत्तर: नववर्ष
प्रश्न 4. किसी वृत्त के केंद्र से उसकी परिधि तक की दूरी क्या कहलाती है?
उत्तर: त्रिज्या
प्रश्न 5. बिहार में स्थित प्रसिद्ध 'ककोलत जलप्रपात' किस जिले में है?
उत्तर: नवादा
प्रश्न 6. पन्ना राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: मध्य प्रदेश
प्रश्न 7. इंटरनेट के प्रारम्भिक विकास में 'वर्ल्ड वाइड वेब' का आविष्कार किसने किया?
उत्तर: टिम बर्नर्स-ली
प्रश्न 8. भारत के संविधान में आपातकाल से संबंधित प्रावधान किस भाग में दिए गए हैं?
उत्तर: भाग 18
प्रश्न 9. 'अति + आवश्यक' का संधि रूप क्या होगा?
उत्तर: अत्यावश्यक
प्रश्न 10. शरीर में भोजन को ऊर्जा में बदलने की प्रक्रिया क्या कहलाती है?
उत्तर: पाचन

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Computer – (कम्प्यूटर) – संगणक / कम्प्यूटर
Keyboard – (कीबोर्ड) – कुंजीपटल
Mouse – (माउस) – माउस
Printer – (प्रिंटर) – मुद्रक
Screen – (स्क्रीन) – पर्दा / स्क्रीन
Software – (सॉफ्टवेयर) – सॉफ्टवेयर
Password – (पासवर्ड) – कूटशब्द

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "मैं ... नहीं करता/करती हूँ" (I do not ...)

मैं नहीं पढ़ता/पढ़ती हूँ। – I do not read.
मैं नहीं लिखता/लिखती हूँ। – I do not write.
मैं नहीं खेलता/खेलती हूँ। – I do not play.
मैं खाना नहीं खाता/खाती हूँ। – I do not eat food.
मैं अंग्रेज़ी नहीं सीखता/सीखती हूँ। – I do not learn English.

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटाहां
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. 25 मई को अफ्रीका महाद्वीप की एकता, संस्कृति और स्वतंत्रता के सम्मान में कौन सा वैश्विक दिवस मनाया जाता है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: अफ़्रीकी संघ दिवस
व्याख्या: प्रतिवर्ष 25 मई को 'Africa Day' (अफ़्रीका दिवस) मनाया जाता है। यह दिन 1963 में 'ऑर्गनाइजेशन ऑफ अफ्रीकन यूनिटी' (OAU) की स्थापना की याद में मनाया जाता है, जिसे अब अफ़्रीकी संघ (African Union) कहा जाता है। यह दिवस अफ़्रीकी देशों की स्वतंत्रता, उपनिवेशवाद के विरुद्ध उनके संघर्ष और उनकी आर्थिक प्रगति को रेखांकित करता है।
संदर्भ: African Union Official Calendar (2026).

2. हाल ही में मई 2026 में भारत के किस राज्य ने देश की पहली 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) संचालित एम्बुलेंस सेवा' शुरू की है? (समसामयिकी)
उत्तर: कर्नाटक
व्याख्या: मई 2026 में कर्नाटक सरकार ने उन्नत चिकित्सा सहायता प्रणाली के तहत एआई-संचालित एम्बुलेंस लॉन्च की हैं। यह तकनीक यातायात की स्थिति और मरीज के महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संकेतों (Vitals) का वास्तविक समय में विश्लेषण कर अस्पताल पहुँचने से पहले ही डॉक्टरों को अलर्ट करती है। यह स्वास्थ्य और समसामयिकी का एक महत्वपूर्ण प्रश्न है।
संदर्भ: National Health Mission Bulletin, May 2026.

3. दक्षिण भारत के प्रसिद्ध 'सातवाहन राजवंश' के किस राजा ने स्वयं को 'अनोखा ब्राह्मण' (अद्भुत ब्राह्मण) और क्षत्रियों के मान का हनन करने वाला कहा था? (पुस्तक - लेखक/इतिहास)
उत्तर: गौतमीपुत्र श्री सातकर्णि
व्याख्या: सातवाहन वंश के सबसे प्रतापी शासक गौतमीपुत्र श्री सातकर्णि के बारे में यह विवरण नासिक अभिलेख से मिलता है। उसने दावा किया था कि उसने चारों वर्णों के बीच आपसी विवाह संबंधों (वर्ण-संकरण) को रोका। यह प्रश्न मौर्योत्तर कालीन सामाजिक व्यवस्था और राजनीतिक इतिहास को समझने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 9 Vital Villages, Thriving Towns / Class 12 Indian History, p. 64

4. वायुमंडल में पाई जाने वाली वह कौन सी गैस है जो सूर्य की अत्यधिक तीव्र और हानिकारक 'पराबैंगनी किरणों' (UV Rays) का लगभग 99% भाग अवशोषित कर लेती है? (पर्यावरण)
उत्तर: ओजोन गैस
व्याख्या: ओजोन (O_3) गैस समताप मंडल में एक पतली परत के रूप में पाई जाती है। यह पृथ्वी के लिए एक सुरक्षा कवच (Shield) का कार्य करती है। यदि ओजोन परत इन हानिकारक पराबैंगनी किरणों को न सोखे, तो पृथ्वी पर रहने वाले जीवों को त्वचा कैंसर, मोतियाबिंद और वनस्पतियों को भारी नुकसान पहुँच सकता है।
संदर्भ: NCERT Class 7 Geography, Ch 4 Air, p. 22.

5. बौद्ध धर्म के इतिहास में 'चतुर्थ बौद्ध संगीति' (चौथी बौद्ध परिषद) का आयोजन किस कुषाण शासक के कालखंड में कश्मीर के कुंडलवन में हुआ था? (इतिहास)
उत्तर: सम्राट कनिष्क
व्याख्या: कुषाण वंश के राजा कनिष्क के शासनकाल में (लगभग प्रथम शताब्दी ईसवी) चौथी बौद्ध संगीति आयोजित की गई थी, जिसकी अध्यक्षता वसुमित्र ने की थी। इसी परिषद में बौद्ध धर्म स्पष्ट रूप से दो संप्रदायों—हीनयान और महायान में विभाजित हो गया। कनिष्क के काल में ही कला की गांधार और मथुरा शैलियों का तीव्र विकास हुआ।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 9 Vital Villages, Thriving Towns, p. 94.

"सामान्य-ज्ञान"

6. वायुदाब प्रणालियों के अंतर्गत, दोनों गोलार्धों में उपोष्ण उच्चदाब कटिबंधों से भूमध्यरेखीय निम्नदाब कटिबंध की ओर लगातार बहने वाली पवनों को क्या कहा जाता है? (भूगोल)
उत्तर: व्यापारिक पवनें (Trade Winds)
व्याख्या: व्यापारिक पवनें 'स्थायी पवनों' (Permanent Winds) का एक प्रमुख प्रकार हैं। ये पवनें वर्ष भर एक ही निश्चित दिशा में चलती हैं। अंग्रेजी में 'ट्रेड' शब्द का अर्थ जर्मन भाषा के 'ट्रैक' (निश्चित मार्ग) से लिया गया है। प्राचीन काल में नाविकों को पाल वाले जहाजों को चलाने में इन पवनों से अत्यधिक सहायता मिलती थी।
संदर्भ: NCERT Class 7 Geography, Ch 4 Air, p. 23.

7. भारतीय संविधान का कौन सा अनुच्छेद भारत के प्रत्येक नागरिक को देश के किसी भी हिस्से में 'शांतिपूर्वक और बिना शस्त्रों के सभा करने का अधिकार' देता है? (संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 19(1)(b)
व्याख्या: अनुच्छेद 19 के तहत नागरिकों को छह मौलिक स्वतंत्रताएँ प्राप्त हैं। इनमें अनुच्छेद 19(1)(b) शांतिपूर्ण ढंग से और बिना हथियारों के सम्मेलन या सभा करने का मौलिक अधिकार सुनिश्चित करता है। हालाँकि, राज्य की सुरक्षा और लोक व्यवस्था के हित में इस पर तार्किक प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं।
संदर्भ: NCERT Class 11 Pol. Science, Ch 2 Rights in the Indian Constitution, p. 31.

8. मानव शरीर में भोजन के पाचन के दौरान 'अमीनो अम्ल' (Amino Acids) मुख्य रूप से किस जटिल पोषक तत्व के विखंडन से प्राप्त होते हैं? (विज्ञान)
उत्तर: प्रोटीन (Protein)
व्याख्या: हमारे पाचन तंत्र में एंजाइमों की सहायता से जटिल कार्बनिक पदार्थों को सरल पदार्थों में तोड़ा जाता है। इस प्रक्रिया में भोजन में उपस्थित 'प्रोटीन' पूरी तरह टूटकर अपने सबसे सरल रूप 'अमीनो अम्ल' में बदल जाता है, जिसका अवशोषित होना शरीर की कोशिकाओं की मरम्मत और वृद्धि के लिए अनिवार्य है।
संदर्भ: NCERT Class 7 Science, Ch 2 Nutrition in Animals, p. 11.

9. कुषाण काल में विकसित हुई 'मथुरा मूर्तिकला शैली' में मुख्य रूप से किस विशिष्ट पत्थर का उपयोग मूर्तियाँ बनाने के लिए किया जाता था? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: लाल चित्तीदार बलुआ पत्थर
व्याख्या: उत्तर प्रदेश के मथुरा में विकसित हुई यह विशुद्ध भारतीय कला शैली थी। इस शैली में बुद्ध, जैन तीर्थंकरों और हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियाँ बनाने के लिए 'लाल चित्तीदार बलुआ पत्थर' (Spotted Red Sandstone) का प्रयोग किया जाता था। गांधार शैली के विपरीत, इसमें मूर्तियों के आध्यात्मिक भाव पर अधिक बल दिया गया था।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 9 Vital Villages, Thriving Towns (Sculpture Context).

10. बिहार के किस जिले में स्थित 'लौरिया अरेराज' नामक स्थान पर सम्राट अशोक का प्रसिद्ध बलुआ पत्थर का एकाश्मक स्तंभ आज भी सुरक्षित है? (बिहार GK)
उत्तर: पूर्वी चम्पारण
व्याख्या: पूर्वी चम्पारण जिले के अरेराज प्रखंड में स्थित 'लौरिया अरेराज' स्तंभ मौर्यकालीन वास्तुकला का एक अनुपम उदाहरण है। लगभग 36.5 फीट ऊँचे इस एकाश्मक स्तंभ पर अशोक के छह स्पष्ट लेख उत्कीर्ण हैं, जो प्रजा को सदाचार और धम्म के मार्ग पर चलने का संदेश देते हैं। इसके शीर्ष का सिंह भाग अब सुरक्षित नहीं है।
संदर्भ: बिहार पुरातत्व निदेशालय (Directorate of Archaeology, Bihar) / चम्पारण गजेटियर।

"सामान्य-ज्ञान"

11. सुरक्षित शनिवार के अनुसार, भीषण गर्मी और लू (Heatwave) के दिनों में विद्यालय भवनों के क्लासरूम को ठंडा रखने के लिए खिड़कियों पर किस प्राकृतिक वस्तु का उपयोग करना चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा)

उत्तर: खस या जूट के परदे

व्याख्या: मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के मई चतुर्थ शनिवार (लू से बचाव) की गाइडलाइन के अनुसार, कक्षाओं को गर्म हवाओं से सुरक्षित रखने के लिए खिड़कियों पर जूट की बोरियाँ, टाट या खस के परदे लटकाकर उन पर पानी छिड़कना चाहिए। यह प्राकृतिक वाष्पीकरण (Evaporation) के सिद्धांत पर कमरे के तापमान को तेजी से कम करता है और बच्चों को लू से बचाता है।

संदर्भ: आपदा जोखिम न्यूनीकरण कैलेण्डर 2026, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण.

12. यदि किसी निश्चित कूट भाषा में 'STUDY' को 'TUVEZ' लिखा जाता है, तो उसी कूट नियम के आधार पर 'SMART' को क्या लिखा जाएगा? (रीजनिंग)

उत्तर: TNBSu

व्याख्या: इस तार्किक अनुक्रम में वर्णमाला का प्रत्येक अक्षर अपने से 1 स्थान आगे बढ़ रहा है (S+1=T, T+1=U, U+1=V, D+1=E, Y+1=Z)। इसी नियम के अनुसार: S+1=T, M+1=N, A+1=B, R+1=S, T+1=U होगा। यह रीजनिंग बच्चों की अक्षरात्मक कूटबद्धता की त्वरित मानसिक समझ को सुदृढ़ करती है।

संदर्भ: Mental Ability and Logical Reasoning Core (2026).

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Ponder (पॉन्डर) = Think / Reflect (थिंक / रिफ्लेक्ट) = गहराई से सोचना
🔁 Antonym – Ignore (इग्नोर) = ध्यान न देना
Quest (क्वेस्ट) = Search / Pursuit (सर्च / परसूट) = खोज / तलाश
🔁 Antonym – Surrender (सरेंडर) = हार मान लेना
Resilient (रिज़िलिएंट) = Tough / Flexible (टफ / फ्लेक्सिबल) = लचीला / कठिनाइयों से उबरने वाला
🔁 Antonym – Fragile (फ्रैजाइल) = नाजुक
Swift (स्विफ्ट) = Fast / Rapid (फास्ट / रैपिड) = तेज
🔁 Antonym – Slow (स्लो) = धीमा
Tranquil (ट्रैंक्विल) = Calm / Peaceful (कैल्म / पीसफुल) = शांत
🔁 Antonym – Noisy (नॉइज़ी) = शोरगुल वाला

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Government launches 'Project Bharat-Graphene'; India to set up its first commercial-scale Graphene production plant in Kerala.
केंद्र सरकार ने 'प्रोजेक्ट भारत-ग्राफिन' की शुरुआत की; सेमीकंडक्टर, एयरोस्पेस और अगली पीढ़ी की बैटरी तकनीक को मजबूती देने के लिए केरल में भारत का पहला व्यावसायिक स्तर का ग्राफिन उत्पादन संयंत्र स्थापित किया जाएगा।

Ministry of Health unveils 'Ayushman-AI Genomix' platform for early detection of rare hereditary disorders across rural clusters.
स्वास्थ्य मंत्रालय ने 'आयुष्मान-एआई जीनोमिक्स' प्लेटफॉर्म का अनावरण किया; इसका उद्देश्य ग्रामीण भारत में जन्मजात और दुर्लभ आनुवंशिक बीमारियों का शुरुआती चरण में ही पता लगाकर उनका सटीक इलाज सुनिश्चित करना है।

WHO declares 'Global Elimination' of Trachoma as a public health problem in five more African and Middle Eastern nations.
विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने पांच और अफ्रीकी और मध्य पूर्वी देशों को अंधापन पैदा करने वाली संक्रामक बीमारी 'ट्रैकोमा' से पूरी तरह मुक्त (Eliminated) घोषित किया।

INTERNATIONAL NEWS

UN Ocean Summit adopts 'The Marine Plastics Liability Treaty'; mandates strict financial penalties on global shipping corporations for open-sea dumping.
संयुक्त राष्ट्र महासागर शिखर सम्मेलन में 'समुद्री प्लास्टिक उत्तरदायित्व संधि' को अपनाया गया; खुले समुद्र में कचरा फेंकने वाले वैश्विक शिपिंग निगमों पर कड़े वित्तीय जुर्माने और उनकी वैश्विक ट्रैकिंग का प्रावधान लागू किया गया।

BBC News: MIT and Oxford researchers develop 'Quantum-Dot Window Glass' that turns entire high-rise buildings into solar power plants.
बीबीसी न्यूज़: एमआईटी और ऑक्सफोर्ड के वैज्ञानिकों ने 'क्वांटम-डॉट विंडो ग्लास' (पारदर्शी सौर कांच) विकसित किया है; यह कांच खिड़कियों की पारदर्शिता को प्रभावित किए बिना सूर्य की रोशनी को बिजली में बदल देगा, जिससे गगनचुंबी इमारतें खुद बिजली पैदा कर सकेंगी।

WHO declares 'Global Elimination' of Trachoma as a public health problem in five more African and Middle Eastern nations.
विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने पांच और अफ्रीकी और मध्य पूर्वी देशों को अंधापन पैदा करने वाली संक्रामक बीमारी 'ट्रैकोमा' से पूरी तरह मुक्त (Eliminated) घोषित किया।

BIHAR NEWS

Bihar Government to establish 'State Climate-Smart Agriculture Innovation Centre' in Nalanda to develop drought-resistant seed varieties.
बिहार सरकार नालंदा में 'राज्य क्लाइमेट-स्मार्ट कृषि नवाचार केंद्र' स्थापित करेगी; यहाँ बदलते मौसम और कम पानी में भी बंपर पैदावार देने वाले धान और गेहूं की नई किस्मों पर शोध और बीज वितरण किया जाएगा।

SCERT Bihar launches 'Kala-Setu 2026'; integrates traditional Madhubani and Manjusha art modules into primary school creative arts curriculum.
एससीईआरटी बिहार ने 'कला-सेतु 2026' कार्यक्रम लॉन्च किया; इसके तहत राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखने के लिए प्राथमिक स्कूलों के पाठ्यक्रम में मधुबनी और मंजूषा कला को व्यावहारिक कला शिक्षा के रूप में अनिवार्य किया गया है।

SPORTS NEWS

Indian Grandmaster R Praggnanandhaa wins the 'Norway Chess 2026' title; defeats the reigning World Champion in the final Armageddon round.
भारतीय शतरंज सनसनी आर प्रज्ञानंदा ने नॉर्वे चेस 2026 का प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया; उन्होंने फाइनल के बेहद दबाव वाले आर्मागेडन (Armageddon) दौर में मौजूदा विश्व चैंपियन को मात देकर इतिहास रचा।

International Basketball Federation (FIBA) introduces 'LED Glass Floors' for the upcoming World Cup; enables real-time visual tactical lines on court.
अंतर्राष्ट्रीय बास्केटबॉल महासंघ (FIBA) ने आगामी विश्व कप के लिए 'एलईडी ग्लास फ्लोर्स' (कांच के मैदान) तकनीक को मंजूरी दी; यह डिजिटल फ्लोर मैच के दौरान वास्तविक समय में फाउल लाइन्स, खिलाड़ियों की स्थिति और ट्रैकिंग डेटा को मैदान पर ही प्रदर्शित करेगा।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"प्रतिदिन का अद्यतन ज्ञान ही आपको भीड़ से अलग और परीक्षाओं में सफल बनाता है। निरंतरता बनाए रखें।"

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

"सतर्कता ही सुरक्षा"

विद्यालय की प्रार्थना सभा में आज अनीता मैडम बच्चों को सुरक्षा के महत्व के बारे में बता रही थीं। उन्होंने कहा कि साहस और समझदारी दोनों जीवन में जरूरी हैं, लेकिन सबसे जरूरी है सतर्क रहना।

सभा के बाद अमन अपने मित्रों के साथ बाजार गया। वहाँ काफी भीड़ थी। खिलौनों और रंग-बिरंगी दुकानों को देखते-देखते वह अपने साथियों से अलग हो गया।

कुछ देर बाद उसे एहसास हुआ कि वह अकेला रह गया है। पहले तो वह घबरा गया, लेकिन फिर उसे विद्यालय में सिखाई गई बातें याद आईं। उसने इधर-उधर भटकने के बजाय एक सुरक्षित स्थान पर खड़े रहना उचित समझा।

तभी एक अनजान व्यक्ति उसके पास आया और बोला—

"बेटा, आओ, मैं तुम्हें घर छोड़ देता हूँ।"

अमन ने विनम्रता से मना कर दिया। उसे याद था कि किसी अनजान व्यक्ति के साथ नहीं जाना चाहिए।

उसने पास में खड़े एक पुलिसकर्मी को अपनी समस्या बताई। पुलिसकर्मी ने उससे उसके माता-पिता का मोबाइल नंबर पूछा। सौभाग्य से अमन को अपने पिता का नंबर याद था। कुछ ही देर में उसके माता-पिता वहाँ पहुँच गए।

घर लौटते समय पिता ने कहा— "बेटा, आज तुमने बहुत समझदारी दिखाई। घबराने के बजाय सही निर्णय लिया।"

अगले दिन अनीता मैडम ने पूरी कक्षा को यह घटना सुनाई और कहा—

"बच्चों, सुरक्षा का अर्थ केवल खतरे से बचना नहीं है, बल्कि कठिन परिस्थिति में सही निर्णय लेना भी है। सतर्कता हमें कई परेशानियों से बचा सकती है।"

उस दिन सभी बच्चों ने संकल्प लिया कि वे अपने माता-पिता का मोबाइल नंबर याद रखेंगे, अनजान लोगों से सावधान रहेंगे और किसी परेशानी में विश्वसनीय बड़े व्यक्ति से सहायता लेंगे।

संदेश : "सतर्कता, समझदारी और सही निर्णय ही बच्चों की सबसे बड़ी सुरक्षा है।"

.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

विद्यालय में सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन कैसे करें?

प्रारंभिक कक्षा के विद्यार्थियों के चतुर्दिक विकास के लिए विद्यालय में सांस्कृतिक गतिविधियों का संचालन अत्यंत आवश्यक होता है। इसके द्वारा छात्रों का समाज में समायोजन करने में सुविधा होती है। अगर विद्यालय में सुनियोजित तरीके से सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की जाती है तो छात्रों का आत्मविश्वास, भाषा कौशल, अनुशासन और उनकी रचनात्मकता बढ़ती है। इसके द्वारा शिक्षक छात्रों की प्रतिभा पहचान पाते हैं तथा उनके अंदर का भय दूर कर उनमें नेतृत्व क्षमता और सहयोग की भावना का विकास करने में समर्थ हो पाते हैं। इससे विद्यालय में छात्रों को आनंद की अनुभूति होती है।

विद्यालय में किसी प्रकार की सांस्कृतिक गतिविधियों का संचालन विद्यालय परिवार को पूरी तैयारी और तत्परता के साथ करनी चाहिए। इस हेतु विद्यालय में प्रधानाध्यापक के नेतृत्व में एक समिति होनी चाहिए जिसमें रुचि रखने वाले कुछ शिक्षक एवं छात्र हो सकते हैं। कार्यक्रम में मंच का संचालन, ध्वनि विस्तारक यंत्रों की व्यवस्था, छात्रों के बीच अनुशासन , पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र वितरण के संबंध में पूर्व से ही तैयारी होनी चाहिए।

पूरे वर्ष की गतिविधियाँ पहले से तय करते हुए प्रार्थना सभा में क्या प्रस्तुति होगी, राष्ट्रीय पर्व एवं विभिन्न दिवसों को कैसे मनाया जाएगा, वार्षिकोत्सव में क्या-क्या किया जायेगा इसका खाका पहले से तैयार रखा जाना चाहिए।

विद्यालय में कराई जाने वाली गतिविधियों यथा: कविता पाठ, भाषण प्रतियोगिता, लोकगीत एवं समूहगान प्रतियोगिता, नाटक एवं एकांकी प्रतियोगिता, लोकनृत्य एवं चित्रकला, क्विज प्रतियोगिता, कहानी सुनाने या लिखने की प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता, संस्कृत श्लोक या दोहा पाठ के सफल आयोजन की जानकारी छात्रों को पूर्व से रहनी चाहिए और तदनुसार उनका मार्गदर्शन शिक्षकों द्वारा होना चाहिए।

शनिवार को बैगलेस दिवस होने के कारण प्रत्येक शनिवार को 60 से 90 मिनट की अवधि सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए निर्धारित रहनी चाहिए।

प्रत्येक कक्षा को बारी-बारी अवसर देना चाहिए।

छात्रों में अनुशासन एवं प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए पूरे विद्यालय को चार हाउस या समूह में बाँट कर सांस्कृतिक गतिविधियों को आयोजित कर सकते हैं। बिना खर्च या कम लागत वाली गतिविधियां जैसे लोकगीत, कहानी, नाटक कराना चाहिए जिसमें स्थानीय कलाकारों को बुलाया जा सकता है। विद्यालय को छात्रों द्वारा बनाए गए सामग्री से सजावट करा सकते हैं।

छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए ताली बजाने, प्रशंसा करने, पुरस्कार या प्रमाणपत्र प्रदान करने का कार्य होना चाहिए ।

सभी छात्रों को समान अवसर देते हुए छात्र-छात्रा दोनों की भागीदारी होनी चाहिए। गतिविधियाँ शिक्षा से जुड़ी होनी चाहिए जिसमें अनुशासन और समय प्रबंधन का ध्यान रखना चाहिए।

यदि हम ऊपर अंकित अनुभव के आधार पर अपने विद्यालय में सांस्कृतिक गतिविधियों को आयोजित करें तो निश्चित रूप से बेहतर परिणाम प्राप्त करेंगे।

तो आईए हम अपने विद्यालय को भी सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र बनाना सुनिश्चित करें।

मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें।

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की शृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयाह से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

संवाद सूत्र, जागरण• बगहाः बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार, राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोरः पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकताः ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशाः 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

अनुभाग-8

"बिहार दर्शन : सीतामढ़ी, अंक–2"

बागमती की बाढ़, उपजाऊ धरती और सीमावर्ती जीवन का भूगोल

'संपादकीय'

सीतामढ़ी का भूगोल उत्तर बिहार के उन जिलों में गिना जाता है, जहाँ नदियाँ केवल जलस्रोत नहीं बल्कि पूरे सामाजिक और आर्थिक जीवन की आधाररेखा तय करती हैं। नेपाल के तराई क्षेत्र से उतरने वाली नदियाँ इस जिले की मिट्टी, कृषि, परिवहन, बस्तियों और प्राकृतिक चुनौतियों– सभी को प्रभावित करती हैं।

जिला मुख्यतः समतल जलोढ़ मैदान (Alluvial Plain) में स्थित है। समुद्र तल से इसकी औसत ऊँचाई लगभग 56–80 मीटर के बीच मानी जाती है। यहाँ की मिट्टी अत्यंत उपजाऊ है, क्योंकि नेपाल से आने वाली नदियाँ हर वर्ष नई गाद जमा करती हैं। यही कारण है कि जिले के अधिकांश भागों में कृषि उत्पादन अच्छा होता है।

बागमती नदी सीतामढ़ी की सबसे महत्वपूर्ण नदी मानी जाती है। यह नेपाल से निकलकर जिले के कई भागों को प्रभावित करती हुई आगे दरभंगा और समस्तीपुर की ओर बढ़ती है। इसके अतिरिक्त लखनदेई, मनुषमारा, अधवारा समूह की धाराएँ और रातो नदी भी जिले के भूगोल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अधवारा समूह वास्तव में छोटी-छोटी अनेक नदियों और जलधाराओं का विस्तृत नेटवर्क है, जो मानसून में बड़े क्षेत्र को जलमग्न कर देता है।

सीतामढ़ी का उत्तर-पश्चिमी और मध्य भाग विशेष रूप से बाढ़ प्रभावित माना जाता है। Bairgania, सोनबरसा, सुरसंड, परिहार और मेजरगंज क्षेत्रों में लगभग हर वर्ष बाढ़ की स्थिति बनती है। कई गाँवों में बरसात के दौरान सड़क संपर्क टूट जाना सामान्य घटना मानी जाती है। बाढ़ के कारण फसल, पशुधन और आवागमन प्रभावित होते हैं, लेकिन यही बाढ़ लंबे समय में मिट्टी की उर्वरता भी बनाए रखती है।

जिले का कृषि चक्र मानसून पर अत्यधिक निर्भर है। खरीफ मौसम में धान प्रमुख फसल होती है, जबकि रबी मौसम में गेहूँ, मक्का और दलहन की खेती की जाती है। रीगा, बेलसंड और आसपास के क्षेत्रों में गन्ने की खेती लंबे समय से महत्वपूर्ण रही है। कुछ क्षेत्रों में सब्ज़ी उत्पादन भी बड़े पैमाने पर होता है, विशेषकर वे इलाके जो प्रमुख बाजारों और सड़कों से जुड़े हैं।

सीमावर्ती स्थिति सीतामढ़ी के भूगोल की एक विशेष पहचान है। नेपाल सीमा से जुड़े कई स्थानीय मार्ग दशकों से व्यापार और आवागमन के लिए उपयोग होते रहे हैं। Bairgania भारत-नेपाल सीमा का महत्वपूर्ण व्यापारिक केंद्र है। यहाँ सीमा पार से आने-जाने वाले लोगों के कारण स्थानीय बाजारों में मिश्रित सांस्कृतिक और आर्थिक प्रभाव दिखाई देता है।

जलवायु की दृष्टि से जिला आर्द्र उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र (Humid Subtropical Zone) में आता है। गर्मियों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच सकता है, जबकि सर्दियों में घना कोहरा सामान्य बात है। दिसंबर और जनवरी में कई बार दृश्यता अत्यंत कम हो जाती है, जिससे सड़क और रेल परिवहन प्रभावित होता है।

परिवहन के दृष्टिकोण से Sitamarhi उत्तर बिहार के महत्वपूर्ण रेल नेटवर्क से जुड़ा हुआ है। सीतामढ़ी जंक्शन से दरभंगा, मुजफ्फरपुर, रक्सौल और नेपाल सीमा की ओर रेल संपर्क उपलब्ध है। सड़क संपर्क में भी पिछले वर्षों में सुधार हुआ है, हालाँकि ग्रामीण क्षेत्रों में बाढ़ के दौरान चुनौतियाँ बनी रहती हैं।

जिले का भूगोल यहाँ के सामाजिक जीवन को भी गहराई से प्रभावित करता है। कई गाँवों में घरों का निर्माण ऊँचे चबूतरों पर किया जाता है ताकि बाढ़ का पानी सीधे घरों में प्रवेश न करे। नावें आज भी कई क्षेत्रों में बरसात के समय आवश्यक परिवहन साधन बन जाती हैं। स्थानीय लोकगीतों और कहावतों में भी बाढ़ और नदियों का उल्लेख बार-बार मिलता है।

सीतामढ़ी का भूगोल इस तथ्य को स्पष्ट करता है कि उत्तर बिहार की सभ्यता नदियों के साथ संघर्ष और सहअस्तित्व– दोनों पर आधारित रही है। यहाँ की मिट्टी जितनी उपजाऊ है, जीवन उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। यही संतुलन इस जिले की वास्तविक पहचान बनाता है।.....

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org